नमस्ते योजना

स्रोत: पीआईबी

NAMASTE (नेशनल एक्शन फॉर मेकेनाईज्ड सेनटिशन इकोससि्टम) दविस (16 जुलाई) के अवसर पर, **सामाजकि न्याय एवं अधकिारति राज्य मंत्री ने वेस्ट पकिर के लयि हेल्पलाइन नंबर (14473)** का उद्घाटन कयिा और सीवर एवं सेप्टकि टैंक श्रमकिों (SSW) तथा वेस्ट पकिर को**PPE कटि** व **आयुष्मान कार्ड** वतिरति कयि।

नमस्ते योजना क्या है?

- **परचिय: नमस्ते योजना एक मानव-केंद्रति, अधकिार-आधारति पहल है, जसिका उद्देश्य सीवरों एवं सेप्टकि टैंकों की खतरनाक** मैनुअल स्कैवेंजगि **को समाप्त करना है। यह योजना वर्ष 2023 में एक** केंद्रीय क्षेत्र योजना **के रूप में शुरू की गई थी, जसिकी अवधति्तीन वर्षों (2023–24 से 2025–26) के लयि नर्धारति है।**
  - यह **मैनुअल स्कैवेंजर्स के पुनर्वास के लयि पूर्ववर्ती स्व-रोज़गार योजना (SRMS)** का स्थान लेता है तथा पूरे भारत में 4800 से अधकि शहरी स्थानीय नकिायों (**ULB**) को शामलि करता है।
  - यह योजना **संयुक्त राष्ट्र** सतत वकिास लक्ष्यों (SDG) **जैसे SDG 6 (स्वच्छ जल एवं स्वच्छता), SDG 8 (सभ्य कार्य) और SDG 10 (असमानता में कमी) के अनुरूप है।**
- **क्रयिान्वयन:** इसे **सामाजकि न्याय एवं अधकिारति मंत्रालय (MoSJE)** तथा **आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA)** द्वारा संयुक्त रूप से शुरू कयिा गया है। इसका क्रयिान्वयन **राष्ट्रीय सफाई करमचारी वति्त और वकिास नगिम (NSKFDC)** द्वारा कयिा जा रहा है।
- **उद्देश्य: सीवर एवं सेप्टकि टैंक श्रमकिों (SSW) तथा वेस्ट पकिर को औपचारकि रूप से संगठति करना, उनका पुनर्वास करना और उन्हें सशक्त बनाना,** ताकि **यंत्रीकृत स्वच्छता** (मानव मल या स्वच्छता कार्यकर्ताओं के साथ सीधे संपर्क के बनिा) और **स्वास्थ्य सुरक्षा** के माध्यम से उनकी सुरक्षा, गरमिा व समावेशन सुनश्चिति कयिा जा सके।
  - स्वच्छता कार्यों में **शून्य मृत्यु दर** प्राप्त करना, इसके लयि **प्रशक्षिति और प्रमाणति कर्मयिों को बढ़ावा देना,** आपातकालीन प्रतक्रियिा स्वच्छता इकाइयों (ERSU) को सुदृढ़ करना तथा **स्वच्छता के क्षेत्र में उद्यमति व स्वयं सहायता समूहों (SHG) के गठन को प्रोत्साहति करना।**
- **मुख्य घटक:**
  - **सीवर और सेप्टकि टैंक श्रमकिों (SSWs) के लयि: शहरी स्थानीय नकिायों (ULBs)** द्वारा नयिोजति स्वच्छता सेवा कार्यकर्त्ताओं (SSWs) की डजिटिल प्रोफाइलगि की सुवधि मोबाइल ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराना,**व्यक्तगित सुरक्षा उपकरण (PPE) कटि तथा सुरक्षा उपकरण प्रदान करना, व्यावसायकि सुरक्षा प्रशक्षिण देना एवं कौशल उन्नयन सुनश्चिति करना।**
    - इसमें **आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY)** के तहत **स्वास्थ्य बीमा, रयिायती स्वच्छता वाहन/उपकरणों तक पहुँच और अग्रमि पूंजी अनुदान व क्षमता नर्माण पहलों** के माध्यम से **"स्वच्छता उद्यमति" (Sani-Preneurship)** को बढ़ावा देना भी शामलि है।
  - **कचरा बीनने वालों के लयि (2024 में शामलि):** गणना और प्रोफाइलगि, **मौसमी/आवश्यकता-आधारति व्यक्तगित सुरक्षा उपकरण (PPE) कटि की आपूर्ति, व्यावसायकि सुरक्षा और कौशल वकिास में प्रशक्षिण**, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) **कवरेज और अपशष्टि संग्रहण वाहनों तथा स्थायी आजीवकिा परयिोजनाओं के लयि पूंजी सब्सडिी पर ध्यान** केंद्रति कयिा गया है।
  - **संस्थागत सहायता तंत्र:** इसमें **खतरनाक स्वच्छता कार्यों हेतु आपातकालीन प्रतक्रियिा स्वच्छता इकाइयों (ERSUs) को सशक्त बनाना तथा सफाई कर्मचारयिों की जागरूकता, सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देने के लयि सूचना, शकि्षा और संचार (IEC) अभयिान चलाना** शामलि है।

मैनुअल स्कैवेंजगि क्या है?

- **परचिय: मैनुअल स्कैवेंजगि/हाथ से मैला ढोने की प्रथा** को ''कसिी सुरक्षा साधन के बनिा और नग्न हाथों से सार्वजनकि सड़कों एवं सूखे शौचालयों से **मानव मल को हटाने, सेप्टकि टैंक, गटर एवं सीवर की सफाई करने**'' के रूप में परभिाषति कयिा गया है। भारत में हाथ से मैला ढोने की प्रथा एक लंबे समय से चली आ रही समस्या है, ।
- **कानूनी नषिध:** मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में **रोज़गार का नषिध और उनका पुनर्वास (PEMSR) अधनियिम, 2013** के तहत इसे प्रतबिंधति कयिा गया है, जो इसे एक अमानवीय प्रथा के रूप में मान्यता देता है।

मैनुअल स्कैवेंजिंग से संबंधित योजनाएँ

- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त और विकास निगम (NSKFDC)
- राष्ट्रीय गरिमा अभियान
- स्वच्छ भारत मिशन 2.0
- दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)
- सफाई मित्र सुरक्षा चुनौती
- स्वच्छता अभियान ऐप
- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग
- स्वच्छता उद्यमी योजना (SUY)

जाति-आधारित व्यवसाय भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग को किस प्रकार कायम रखता है?

पढ़ने के लिये यहाँ क्लिक कीजिये: जाति-आधारित व्यवसाय और हाथ से मैला ढोने की प्रथा का बना रहना

भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग के उन्मूलन और पुनर्वास की चुनौतियाँ क्या हैं?

पढ़ने के लिये यहाँ क्लिक कीजिये: भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग के उन्मूलन और पुनर्वास की चुनौतियाँ

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

?????????

प्रश्न. 'राष्ट्रीय गरिमा अभियान' एक राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य है: (2016)

(a) बेघर एवं निराश्रित व्यक्तियों का पुनर्वास और उन्हें आजीविका के उपयुक्त स्रोत प्रदान करना।
(b) यौनकर्मियों को उनके अभ्यास से मुक्त करना और उन्हें आजीविका के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना।
(c) हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करना और हाथ से मैला ढोने वालों का पुनर्वास करना।
(d) बंधुआ मज़दूरों को मुक्त करना और उनका पुनर्वास करना।

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/namaste-scheme-3